क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 351, सोमवार, 21 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मॉर्निंग वॉक पर निकले बलवाड़ी BJP मंडल अध्यक्ष की सिर कुचलकर हत्या

यूपी। कासगंज में धारा 144 लागू, छतों पर तैनात किए गए मशीनगनवसीम अकरम ने बताया जसप्रीत बुमराह को दुनिया का बेस्ट बॉलर, कहा- उनका यार्कर सप्रयागराजः कुंभ में नागा साधुओं ने किया श्रद्धालु पर हमला, चिमटे से सिर फोड़ओडिशा- हॉस्टल में नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म, तीन अन्य लड़कियां भी निकलीं इंग्लैंड लॉयन्स के भारत दौरे के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा, पंत खेलेंगे आखिरी

बड़वानी: मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के वरला तहसील अंतर्गत बलवाड़ी में रविवार की सुबह भाजपा मंडल अध्यक्ष की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. मिली जानकारी के मुताबिक बलवाड़ी के भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज ठाकरे रविवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले, इसी दौरान मनोज ठाकरे को अकेला पाकर कुछ अज्ञात आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया और पत्थरों से कुचलकर उनकी निर्मम तरीके से हत्या कर दी. बता दें भाजपा मंडल अध्यक्ष की इस तरह से की गई हत्या के बाद पूरे इलाके में आक्रोष का माहौल है. वहीं भाजपा समर्थकों ने मनोज ठाकरे की हत्या के बाद जमकर नारेबाजी की।

बता दें घटना बलवाड़ी के सेंधवा रोड की है, जहां मनोज ठाकरे की हत्या की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची वरला पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस के मुताबिक अभी तक आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में लगी है और आस-पास के लोगों से पूछताछ कर रही है. घटना के बारे में कोई भी सुराग नहीं मिला है, लेकिन जिन पत्थरों से कुचलकर भाजपा मंडल अध्यक्ष की हत्या की गई है उसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

पीएम पद के सवाल पर ममता एंड कंपनी ने किया 'बलिदान' का आह्वान, पर बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन?

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनावों में मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने के वादे के साथ कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड पर शनिवार को कई विपक्षी पार्टियां एक साथ एक मंच पर दिखे। हालांकि इस दौरान सबसे बड़ा सवाल था कि नरेंद्र मोदी की जगह फिर कौन प्रधानमंत्री बनेगा?

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी की बुलाई इस रैली में करीब दो दर्जन से ज्यादा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियां एकजुट हुईं। इस दौरान विपक्षी पार्टियों के महागठबंधन के विचार पर यह बड़ा सवाल मंडराता दिखा। विपक्षी पार्टियों में कुछ के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है, तो कुछ पार्टियों को लेकर कहा जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा। यहां सभी क्षत्रप प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नजरें जमाए बैठे हैं ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बीजेपी को हराने का क्या फॉर्मूला होगा? कोलकाता में शनिवार को हुई विपक्षी दलों की रैली में कुछ नेताओं ने इस शब्द में जवाब भी दिया और वह शब्द था- 'बलिदान'। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने सभी सियासी दलों से अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर एकसाथ आने का आह्वान करते हुए कहा, हमें बलिदान देना है। लोगों के पास जाने से पहले हमें कुछ बलिदान करना होगा। हर समुदाय को थोड़े बलिदान देने होंगे। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने भी इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है। मुझे अपने जीवन में और कुछ

नहीं चाहिए। मेरी बस यही आशा है, बस एक ही लड़ाई लड़नी बाकी है और वह है कि इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने की लड़ाई। सिन्हा के पूर्व सहयोगी और पूर्व बीजेपी नेता अरुण शौरी ने भी उनके रुख का समर्थन किया। शौरी ने कहा, फारूक अब्दुल्ला ने सही ही कहा है कि हमें इस चुनाव में सियासी गणित नहीं बल्कि बलिदान की भावना से आगे बढ़ना होगा। यही हमारा रुख होना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एक तरह से इस मत का समर्थन करते हुए मंच से चेतावनी भरे में कहा कि बीजेपी को किसी भी हाल में हराना होगा, वर्ना देश में फासीवाद और फैलेगा। ममता बनर्जी से लेकर अखिलेश यादव हर किसी ने कहा कि अब देश में बदलाव का वक्त आ गया है। यहां पढ़ें किसने क्या कहा।।।

ममता बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रैली में मोदी सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की 'एक्सपायरी डेट' खत्म हो गयी है। राजनीति में शिष्टता होती है लेकिन बीजेपी इसका पालन नहीं करती है, जो उनके साथ नहीं हैं उन्हें चोर बता दिया जाता है। कोलकाता रैली में ममता बनर्जी ने एक नया दिया नारा 'बदल दो, बदल दो, दिल्ली की सरकार बदल दो। ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री के नाम पर फैसला लोकसभा चुनाव के बाद होगा।

अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से केंद्र में खतरनाक' बीजेपी सरकार को किसी भी कीमत पर हराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश गंभीर संकट के दोराहे पर है। देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी सरकार को तुरंत बदलने की जरूरत है। केजरीवाल ने कहा, 'अगर (नरेंद्र) मोदी-(अमित) शाह की जोड़ी 2019 का चुनाव जीतकर देश में शासन करती रही तो वो संविधान को बदल देगी और कभी चुनाव नहीं करवाएगी। जर्मनी में हिटलर ने जो किया था, वही होगा।'

अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सपा और बसपा के साथ आने से देश में खुशी की लहर दौड़ गयी है और इससे चिंतित होकर भाजपा उत्तरप्रदेश में एक-एक सीट जीतने की रणनीति तैयार करने लिए बैठकें कर रही है। विपक्ष की रैली को यहां संबोधित करते हुए यादव ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्षी दलों से सवाल करने पर भी भाजपा से जवाब मांगा। यादव ने कहा, 'वे पूछते हैं विपक्षी दलों का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है।।।हमारा कहना है कि हमारी तरफ से लोग प्रधानमंत्री उम्मीदवार का फैसला करेंगे। लेकिन, उनकी ओर से इस नाम (नरेंद्र मोदी) ने देश को निराश किया है, आपका दूसरा नाम कौन सा है?'

यशवंत सिन्हा

कभी बीजेपी का हिस्सा रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद ये पहली सरकार है जो विकास के आंकड़ों के साथ 'बाजीगरी' कर रही है।

खुफिया एजेंसियों से घबराए आतंकी, महिलाओं का लिया सहारा; यूपी-दिल्ली में उतारी महिला विंग

अमरोहा।

खुफिया एजेंसियों की सक्रियता के चलते आतंकी संगठन महिलाओं का सहारा ले रहे हैं। सुरक्षा चक्र तोड़ने के लिए यूपी और दिल्ली में 22 महिला आतंकी उतारी गई हैं। यह महिला आतंकी न सिर्फ विस्फोटक ले जाने में सक्षम हैं, बल्कि उन्हें हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी प्राप्त है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक इन महिला आतंकियों को मिशन के संबंध में मोबाइल पर बात करने की सख्त मनाही है। अभी तक छह महिलाओं को चिह्नित किया जा चुका है। इनके वेस्ट यूपी के जिलों में शरण लिए जाने की सूचना है। सूत्रों के मुताबिक पंजाब से दो संदिग्ध महिलाओं के पकड़े जाने की भी जानकारी मिली है,जो पाकिस्तान की रहने वाली बताई जा रही हैं।

नेपाल के रास्ते यूपी व दिल्ली में भेजे जाने की सूचना :आतंकी संगठनों द्वारा हनी ट्रैप का सहारा लिया जाना किसी से छुपा नहीं है। गाहे-बगाहे यह मामले सामने आते रहते हैं। आतंकी संगठन हरकत-उल-हर्ब-ए-इस्लाम द्वारा भी हनी ट्रैप का सहारा लिए जाने की जानकारी खुफिया एजेंसियों के पास है। इस कड़ी में खुफिया एजेंसियों को चौंकाने वाला इनपुट मिला है। सीमा पार व घाटी में सक्रिय आतंकी संगठनों ने यूपी व दिल्ली में मौजूद स्लीपर सेल को लगातार सक्रिय रखने के लिए महिला विंग तैयार की है। स्लीपर सेल को सुरक्षित रखने के लिए 22 महिला आतंकियों की विंग सक्रिय की गई है। इन्हें नेपाल के रास्ते यूपी व दिल्ली में भेजे जाने की सूचना है।

महिला आतंकी को दिया गया है शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण : विंग में शामिल सभी महिला आतंकी शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण लिए हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि छह महिलाओं को चिह्नित किया जा चुका है। उन्हें तलाश किया जा रहा है। इस संबंध में जल्द ही बड़ी कार्रवाई किए जाने की तैयारी की जा रही है। इनके पश्चिम उप्र में होने की संभावना जताई जा रही है।

शिक्षक ने पहले मां, पत्नी और बच्चों को दे दिया जहर, फिर फांसी पर लटकर दे दी जान

तमिलनाडुः

तमिलनाडु के कोयम्बटूर जिले में बीते शुक्रवार की रात को एक सरकारी कर्मचारी ने पहले तो अपनी पत्नी, मां और बच्चों को जहर देकर मार डाला और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक घटना स्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें कर्मचारी ने अपनी मौत का कारण उदासी और तनाव बताया है. उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि 'वह काफी समय से अपनी कमर दर्द और काम के चलते कई किलोमीटर की यात्रा से उदास था, जिसके चलते उसने खुद की जान देने का

फैसला किया है, लेकिन वह अपने परिवार को भी अकेला नहीं छोड़ना चाहता था, जिसके चलते वह अपने परिवार को भी मार रहा है।'

बता दें मृतक कोयम्बटूर में एक स्कूल शिक्षक के रूप में काम कर रहा था, जो यहां अपनी मां, पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। शिक्षक के पड़ोसियों ने बताया कि शनिवार को सुबह बहुत देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला, जिसके चलते पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खटखटाया, लेकिन इन सब के बाद भी दरवाजा नहीं खुला. इस पर पड़ोसियों को कुछ संदिग्ध घटना की आशंका हुई, जिसके चलते पड़ोसियों ने पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी।

घटना स्थल पर पहुंचने पर पुलिस घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो देखा कि घर की छत से एंटनी (मतृक शिक्षक) का शव लटका हुआ है। वहीं चार अन्य (एंटनी की मां, पत्नी और दो बच्चों) बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले. जिसके बाद पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं घटना स्थल पर मिले सुसाइड नोट में एंटनी ने अपनी मौत का कारण अपनी खराब शारीरिक अवस्था और इस अवस्था में कई किलोमीटर दूर नौकरी करने जाने को बताया है.

AMU छात्रों को देगा मौलवी बनने की ट्रेनिंग, इसी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई

नई दिल्ली।

कभी दुल्हन तो कभी एक अच्छी पत्नी बनने की ट्रेनिंग देने के लिए अक्सर बीएचयू सुर्खियों में रहता है, लेकिन एक नए कोर्स के इजात के कारण अब अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी सुर्खियों में हैं. एएमयू की ओर से नया कोर्स जल्द ही शुरू होने वाला है, जिसमें छात्र भारतीय सेना में मौलवी के पद पर सीधे आवेदन कर सकेंगे.

एक साल पीजी डिप्लोमा कोर्स

जानकारी के मुताबिक, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी सेना में मौलवी पद पर भर्ती के लिए जुलाई से एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा इन मुस्लिम चपलाइंसी कोर्स शुरू करने जा रहा है, इसमें 10 सीटें होंगी, जिसमें से 5 महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी.

भारतीय सेना में हर साल निकली है कई वैकेंसी! यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से कहा गया है कि भारतीय सेना में हर साल धर्म शिक्षक (पंडित, मौलवी, पादरी, ग्रंथी, बौद्ध सन्यासी आदि) के पद पर नियुक्ति होती है. चयनित युवाओं को बतौर जूनियर कमीशन अधिकारी पद पर नियुक्त किया जाता है, लेकिन जानकारी के अभाव में काफ़ी मुस्लिम युवक इससे वंचित रह जाते हैं. इसी बात को ध्यान में रखते हुए एएमयू के प्रो. के.ए निज़ामी सेंटर फॉर क़ुरानिक स्टडीज़ में पीजी डिप्लोमा इन मुस्लिम चपलाइंसी कोर्स शुरू किया जा रहा है.

भारतीय सेना के अलावा यहां भी हैं मौका : नए कोर्स को बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ एवं एडमिशन कमेटी आदि से स्वीकृति मिल चुकी है, प्रो. के.ए निज़ामी सेंटर फॉर स्टडीज़ के निदेशक प्रो.अब्दुल रहीम क़िदवई और एएमयू पीआरओ उमर पीरज़ादा के मुताबिक, इस कोर्स के ज़रिए मुस्लिम युवाओं को भारतीय सेना में सेवा देने का मौका प्राप्त होगा, यही नहीं इस कोर्स को करके जेल, चिकित्सा व अन्य विभागों में भी भर्ती मिलेगी, यह कोर्स 100त्न जॉब ओरिएंटेड है.

सेना को टारगेट करने की पाकिस्तान की साजिश का खुलासा, खरीद रहा है तोप के एक लाख गोले

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर से सटे लाइन ऑफ़ कंट्रोल के नजदीक तैनात भारतीय सेना की जवाबी करवाई से परेशान पाकिस्तानी सेना अपनी विदेशों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद खरीदने की तैयारी में है। पाकिस्तान ने अपने होवित्ज़र तोपों के लिए इटली से करीब एक लाख गोलों की खरीद की डील कर ली है। खुफ़िया एजेंसीज की रिपोर्ट के मुताबिक इटली ने इन गोलों को पाकिस्तान को जल्द मुहैया कराने का भरोसा दिलाया है। पाकिस्तान ने भारत को अमेरिका से मिल रहे रू777 का मुकाबला करने के लिए इटली से 121 नए होवित्ज़र तोपों की खरीद भी की है, जिसमें से आधे से ज्यादा होवित्ज़र तोप पाकिस्तान सेना को मिल चुके हैं जबकि भारत ने जो 145 रू77 होवित्ज़र तोप की डील की है, उसमें उसे अब तक महज 2 तोप ही मुहैया हो सके हैं। खुफ़िया एजेंसीज ये पता करने की कोशिश में हैं कि आखिर पाकिस्तानी सेना इटली से एक लाख गोले खरीदने के पीछे आखिर मकसद क्या है?

गिलगित-बाल्तिस्तान को लेकर भारत ने पाक के उप उच्चायुक्त को किया तलब

केंद्रीय सुरक्षा में तैनात एक अधिकारी के मुताबिक हमारी एजेंसीज ये पता करने में लगी हुई है कि आखिर पाकिस्तान इटली से करीब एक लाख गोले क्यों खरीद रहा है और वो इसका इस्तेमाल कहाँ करने के प्लानिंग कर रहा है। देखा जाये तो जब भारत सरकार ने अमेरिका से 145 रू77 होवित्ज़र तोप खरीदने की हरी झंडी दी तो पाकिस्तान ने इटली से 121 होवित्ज़र तोप खरीद लीं। ऐसे में पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं छोडना चाहता है। भारत के धीमी रक्षा डील के ठीक उलट पाकिस्तान तेजी से अपनी सेना को आधुनिक साजो सामान मुहैय्या करा रहा है। हालाँकि इससे जुड़े जानकार इस बात से भी हैरान हैं कि आखिर पाकिस्तानी सेना चीन के बजाये इटली से क्यों होवित्ज़र तोपे खरीद रही है?

सुरक्षा से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक ऐसा लगता है की चीन के होवित्ज़र तोप पर पाकिस्तान ज्यादा भरोसा नहीं कर रहा या फिर चीनी होवित्ज़र तोपो की कीमत इटली के तोपो के मुकाबले ज्यादा हो सकती है, लेकिन चीन के बजाए इटली से इन तोपों की खरीद करना काफी हैरान कर देने वाला है। पाकिस्तानी सेना जिस तरह से लाइन ऑफ़ कंट्रोल पर लगातार सीमा उल्लंघन कर रही है, उसका जवाब पाकिस्तान को हमारी सेना उसी भाषा में दे रही है। भारतीय सेना की इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को काफी नुकसान हो रहा है। शायद इस वजह से भी वह इटली से भारी मात्रा में गोले खरीद रही है। ताकि वह सेना के बंकर को टारगेट कर सके।

एजेंसियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना की जवाबी करवाई से पाकिस्तान बुरी तरह डर गया है। लाइन ऑफ कंट्रोल से लगे अपने पोस्ट पर उसने जवानों की संख्या बढ़ा दी है। पुंछ से सटे कश्मीर के कोटली इलाके में मौजूद 3 पीओके ब्रिगेड को पाकिस्तान ने अलर्ट कर दिया है। साथ ही सामान्य सी पोस्ट जिस पर अमूनन 2-3 जवान होते है उनकी संख्या बढ़ा कर 10 के क़रीब कर दी गयी है।

केंद्रीय सुरक्षा में तैनात एक अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान को ये डर है कि जिस तरह उसने पिछले दिनों भारतीय सेना पर कई बैट एक्शन किये थे भारतीय सेना उसका बड़ा बदला लेने की तैयारी में लगी है। इसी डर से भी ऐसा लगता है कि वो अपने पोस्ट पर संख्या बढ़ा रहे हैं।

सावधानः अपने खाते में कालाधान न डलवाएं, हो सकता है ठगी का पैसा

मेरठ

अगर कोई आपके खाते में लॉटरी या कोई भी जीती हुई रकम डालने के लिए कह रहा है तो सावधान हो जाएं। हो सकता है कि वह पैसा किसी और युवक से ठगने के बाद आपके खाते में डाला गया हो। मेरठ में ऐसा पहला मामला सामने आया है, जहां गरीब दंपति की लॉटरी निकलने का झांसा देकर उनके नए बैंक खाते खुलवाए गए और जालसाजी की रकम उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई। पुलिस अब इस दंपति से जवाब मांग रही है।

मामला मेरठ में भावनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हसनपुर कदीम का है। यहां के विपिन कुमार ट्रैक सूट सिलते हैं। पिछले दिनों उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉलकर्ता ने खुद को टेलीकॉम कंपनी से बताते हुए पांच लाख रुपये और पल्सर बाइक की लॉटरी निकलने की बात कही।

लॉटरी की रकम पाने को विभिन्न टैक्स के नाम पर विपिन से 80 हजार रुपये ऐंठ लिए गए।

डीएल आवेदन में छूट का ऑफर देकर कर रहे थे ठगी

कॉल करने वालों ने विपिन से कहा कि वह पति-पत्नी के अलग-अलग बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड बताए गए पते पर भेज दें, ताकि एटीएम नंबर लॉक करके धनराशि ट्रांसफर हो सके। विपिन ने नए खाते खुलवाकर झांसी में उल्दन थाना क्षेत्र के ग्राम इमलिया के पते पर दोनों एटीएम कार्ड भेज दिए। विपिन के मुताबिक, दोनों खातों में करीब दो लाख रुपये आए लेकिन एटीएम कार्ड नहीं होने से वह पैसा नहीं निकाल सका। जालसाज ही एटीएम कार्ड से इस पैसे को निकालते रहे। विपिन को ठगी की जानकारी तब हुई, जब एक अन्य जिले की पुलिस का फोन पर उस पर पहुंचा। पूरे मामले में मेरठ की साइबर क्राइम सेल ने छानबीन शुरू कर दी है।

डेढ़ सौ खाते कराए थे फ्रीज

मेरठ साइबर क्राइम सेल ने साल-2017 में ऐसे डेढ़ सौ खातों को फ्रीज कराया था, जो साइबर अपराधियों ने किराए पर खरीद रखे थे। मसलन, उन्होंने असली खाताधारकों को मामूली कमीशन दे रखा था और खाता खुद संचालित कर रहे थे। अधिकांश खाते बिहार, झारखंड और वेस्ट बंगाल के विभिन्न पते पर खुले थे।

शिवपुरी में आयुष्मान योजना के नाम पर 30 से ज्यादा महिलाओं से ठगी

ठगी से ऐसे बचें

- कंपनियां यदि कोई लकी ड्रॉ करती है तो पहले सूचना देती है।
- पौंजी लॉटरी के झांसे में न आएं, कोई सूचना साझा न करें।
- पैसे देने से पहले संबंधित अथॉरिटी से कन्फर्म कर लें।
- अज्ञात व्यक्ति को अपना खाता नंबर या कोई जानकारी न दें।

संपादकीय

रौनक के साथ बढ़ा जोखिम शेयर बाजार

कृषि व रोजगार मोर्चो पर चिंताएं बनी हुई है और कच्चे तेल में तेजी आ रही है, उसके बाद भी शेयर बाजार का बढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के पटरी पर लटने का संकेत दे रहा है। लेकिन शेयर बाजार के विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जिस तरह से बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में लंबे समय से सुस्त पड़ी हुई कंपनियों के शेयर की बिक्री 2008 के बाद में हाल ही के दिनों में सर्वाधिक रूप से बढ़ी है, उससे शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ गई है। ऐसे में शेयर बाजार में हर कदम फूंक-फूंककर रखना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि भारत की आर्थिक संभावनाओं में घरेलू व विदेशी निवेशकों का यकीन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे कई कारण हैं। सरकार ने निवेशकों केअनुकूल नीतियां लागू की हैं। पिछले चार वर्षो में सरकार ने कई अहम क्षेत्रों के शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए खोल दिया है।

सतीश पेडणोकर

देश के कारोबार के मद्देनजर शेयर बाजार को और अधिक अनुकूल बनाया जाए। यदि सरकार भारत के शेयर और पूंजी बाजार को मजबूत बनाने की डगर पर आगे बढ़ना चाहती है, तो जरूरी होगा कि सेबी की भूमिका को और प्रभावी बनाया जाए। जरूरी है कि सेबी शेयर बाजार की गतिविधियों पर सतर्कता से ध्यान देकर अधिक स्वस्थ दिशा दे। सेबी के द्वारा बाजार के संदिग्ध उतार-चढ़ावों की तरफआंखे खुली रखी जाए। यकीनन 17 जनवरी को सेंसेक्स का पहली बार 35 हजार अंकों पर पहुंचने का ऐतिहासिक महत्त्व है। साथ ही नये वर्ष 2018 में और नये बजट 2018-19 के कुछ दिन पहले मुंबई शेयर बाजार की यह उपलब्धि अर्थव्यवस्था को गतिशील करने और बाजार का उत्साह बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है। यद्यपि कृषि व रोजगार मोर्चो पर चिंताएं बनी हुई है और कच्चे तेल में तेजी आ रही है, उसके बाद भी शेयर बाजार का बढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के पटरी पर लटने का संकेत दे रहा है। लेकिन शेयर बाजार के विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जिस तरह से बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में लंबे समय से सुस्त पड़ी हुई कंपनियों के शेयर की बिक्री 2008 के बाद में हाल ही के दिनों में सर्वाधिक रूप से बढ़ी है, उससे शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ गई है। ऐसे में शेयर बाजार में हर कदम फूंक-फूंककर रखना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि भारत की आर्थिक संभावनाओं में घरेलू व विदेशी निवेशकों का यकीन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे कई कारण हैं। सरकार ने निवेशकों केअनुकूल नीतियां लागू की हैं। पिछले चार वर्षो में सरकार ने कई अहम क्षेत्रों के शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए खोल दिया है। खासतौर से सरकार के 17 जनवरी को उठाए गए इस कदम ने देखते ही देखते शेयर बाजार को तेजी दी है कि चालू वित्त वर्ष में बाजार से वह 20,000 करोड़ रुपये का ही कर्ज उगाहेगी। इसके पहले उसने इस जरिए 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की थी। चूंकि सरकार ने 20,000 करोड़ के ऋण से अपना काम चला लेने की घोषणा की है तो इसे राजकोषीय घाटे की सुधरती स्थिति का संकेत समझा गया है। भारत की आर्थिक और वित्तीय स्थितियों से संबंधित विभिन्न नई अध्ययन रिपोटरे के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2017-18 की तीसरी तिमाही में कई कंपनियों की आमदनी उत्साहवर्धक रही। खासतौर से बैंकिंग और आईटी शेयरों में शानदार तेजी आई। ऐसी वित्तीय और आर्थिक अनुकूलता के कारण विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की खरीदारी कर रहे हैं। इस समय जब भारतीय शेयर बाजार में जश्न का माहौल है, तब इस जश्न के साथ कुछ सावधानी भी जरूरी है। वस्तुत: शेयर बाजार को अर्थव्यवस्था के मूलभूत कारकों का पर्याप्त समर्थन हासिल नहीं है। मैन्यू फैक्चरिंग क्षेत्र की हालत कमजोर है। बैंकों के कर्ज का बोझ बढ़ा हुआ है। बेरोजगारी की समस्या बनी हुई है। ऐसे दौर में भारतीय शेयर बाजार के ऊंचाई पर पहुंचाने के मौके पर शेयर बाजार संबंधित कुछ प्रश्नों पर विचार भी जरूरी है। क्या इस समय उद्योग और कारोबार के लिए शेयर बाजार से पर्याप्त धन मिल रहा है? आम आदमी अभी भी शेयर बाजार से क्यों दूरी बनाए हुए है? जब भारत क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था एक खरब डॉलर की है, क्या वहां कुल जनसंख्या के करीब तीन फीसद लोगों का ही निवेशक के रूप में शेयर बाजार से जुड़ना पर्याप्त है? भारतीय कारोबारियों के पास नये उद्यम शुरू करने या चालू उद्यम को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन ही नहीं है। नये फंड तक भी उनकी पहुंच नहीं है क्योंकि बैंक अब फंसे हुए कर्ज के मामलों को देखते हुए नए ऋण देने में काफी सतर्कता बरतने लगे हैं। ऐसे में इस संकट से निकलने का तरीका है नये सिरे से पूंजीकरण करना। इस काम के लिए मजबूत शेयर बाजार की आवश्यकता होगी। जरूरी होगा कि सरकार के द्वारा निवेश का माहौल सुधारने के लिए और अधिक साफसंकेत दिए जाएं। देश के कारोबार के मद्देनजर शेयर बाजार को और अधिक अनुकूल बनाया जाए। यदि सरकार भारत के शेयर और पूंजी बाजार को मजबूत बनाने की डगर पर आगे बढ़ना चाहती है, तो जरूरी होगा कि सेबी की भूमिका को और प्रभावी बनाया जाए।

जरूरी है कि सेबी शेयर बाजार की गतिविधियों पर सतर्कता से ध्यान देकर अधिक स्वस्थ दिशा दे। सेबी के द्वारा बाजार के संदिग्ध उतार-चढ़ावों की तरफआंखे खुली रखी जाए। शेयर बाजारों में घोटाले रोकने के लिए डीमैट और पैन की व्यवस्था को और कारगर बनाना जाए। छोटे और ग्रामीण निवेशकों की दृष्टि से शेयर बाजार की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए। जहां ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में देश में छोटे निवेशकों की तादाद तेजी से नहीं बढ़ रही है वहीं शेयर खरीदने की गतिविधि बड़े शहरों और विकसित राज्यों में ही केंद्रित हो रही है। ऐसे में शेयर बाजार के महत्त्व को ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को समझाए जाने की जरूरत है। आशा की जानी चाहिए कि मोदी सरकार के बढ़ते हुए आर्थिक सुधारों के मद्देनजर छोटे निवेशक भी भारतीय शेयर बाजार में अपने कदम मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, इससे शेयर बाजार में सच्ची चमक दिखाई देगी। ऐसा होने पर अभी जो शेयर बाजार 35 हजार की ऊंचाई पर पहुंचा है, वह अगले एक वर्ष में 40 हजार से भी अधिक ऊंचाई पर दिखाई दे सकेगा। चूंकि भारतीय शेयर बाजार फुटकर निवेशकों, म्युचुअल फंड और बाजार के कारण तेजी से आगे बढ़ा है और इसका लाभ लेने के लिए आम आदमी भी आगे बढ़ गया है। लेकिन शेयर बाजार को आने वाले समय में हर्षद मेहता जैसे घोटालों से बचाए रखने के हरसंभव कदम उठाए जाने होंगे। चूंकि शेयर बाजार की वर्तमान तेजी में 2008 के बाद सुस्त पड़ी हुई बहुत सी कंपनियों की शेयर कीमतों में तेज उछाल आना भी एक कारण है, अतएव सेबी के द्वारा शेयर बाजार पर और अधिक ध्यान देकर छोटे निवेशकों को जखिमों और निराशाओं से बचाना होगा।

ऐसा होने पर भारत का संतुलित व स्वस्थ शेयर बाजार देश की अर्थव्यवस्था, उद्यमियों, कारोबारियों और छोटे निवेशकों को भी खुशियां देते हुए दिखाई देगा। हम आशा करें कि इस समय घरेलू और विदेशी निवेशकों के आशावादी रुख के दम पर शेयर बाजार में जो मजबूती बनी हुई है, उस मजबूती को बनाए रखने के लिए वित्तमंत्री अरुण जेटली 1 फरवरी, 2018 को प्रस्तुत होने वाले वर्ष 2018-19 के बजट के तहत शेयर बाजार में खुशियां भरने के और अधिक कारगर कदम उठाते हुए दिखाई देंगे।

सूचकांक सेंसेक्स

मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन 35000 बिंदुओं के पार बंद हुआ। 18 जनवरी 2018 को सेंसेक्स 35260 पर बंद हुआ। 17 जनवरी को इसने 35000 का आंकड़ा पहली बार पार किया था। 35000 के आंकड़े में और भी बहुत आंकड़े छिपे हैं। एक तो यह कि शेयर बाजार को सेंसेक्स के आईने में देखें तो साफ होता है कि 1 साल में इसने करीब 29 प्रतिशत का रिटर्न दे दिया है। 1 साल में 29 प्रतिशत रिटर्न शानदार नहीं बहुत ही शानदार रिटर्न कहा जाएगा। 29 प्रतिशत ऊपर जाने का मतलब है कि बाजार को बहुत उम्मीदें हैं। इन उम्मीदों का आधार तब पता चलता है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजारों में बहुत बढ़ा है। घरेलू निवेशक भी खूब आ रहे हैं शेयर बाजार में। उत्साह का हाल यह है कि बाजार को अब याद ही नहीं कि नोटबंदी के अगले दिन बाजार बुरी तरह से सहम गया था। बाजार की यह खूबी होती है अच्छी और बुरी दोनों बातें बाजार बहुत जल्दी भुला देता है। बाजार की भविष्य की आशावादिता इस तय पर भी निर्भर है कि राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 3.2 प्रतिशत से ज्यादा न जाएगा। यानी हद में रहेगा। सरकार को कर संग्रह के मोर्चे से भी सकारात्मक खबरें मिल रही हैं। सरकार को उम्मीद है कि सरकारी उपक्रमों में विनिवेश के लक्ष्य को भी हासिल कर लिया जाएगा। ये सारी खबरें कुल मिलाकर शेयर बाजार के लिए उत्साह बढ़ाने वाला काम ही कर रही हैं। उत्साह अच्छी बात है पर उत्साह का अतिरेक ठीक नहीं है। इस समय शेयर बाजार किसी नकारात्मक खबर को सुनने को भी तैयार नहीं है। कच्चे तेल के भावों के मोर्चे पर खबरें सकारात्मक नहीं हैं। अगर कच्चे तेल के भाव बढ़कर 70 डॉलर प्रति बैरल चले गए और वहीं टिके रहे तो राजकोषीय घाटे के मामले में दिक्कत हो सकती है। दरअसल, कच्चे तेल के भावों के मामले में मोदी सरकार बहुत भाग्यशाली है। जबकि मनमोहन सिंह के दौर में कच्चे तेल के भाव लगातार बढ़े। उसका असर महंगाई पर पड़ा। पर निश्चित कुछ भी नहीं है। इसीलिए शेयर बाजार में निवेश करने वाले यह न सोचें कि बाजार लगातार 29 प्रतिशत सालाना का ही रिटर्न देगा। शेयर बाजार में निवेश बाजार जोखिम के अधीन है, यह बात कभी भी भुलाई न जानी चाहिए। चाहे शेयर बाजार बहुत तेज गति से 35000 के पार चला गया हो।

चुनाव आयोग

चुनाव आयोग द्वारा पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड के विधान सभा चुनावों की तिथियों की घोषणा के साथ ही देश एक बार फिर से चुनावी मूड में आ गया है। वैसे तो ये सारे राज्य एकदम छोटे हैं, फिर भी इस समय इनका राजनीतिक दृष्टि से व्यापक महत्त्व है। केरल के बाद माकपा के नेतृत्व में त्रिपुरा में दूसरी सरकार है। पिछले पांच बार से वहां माकपा नेतृत्व वाले वामदल ही चुनाव जीतते आ रहे हैं। कांग्रेस की जिन पांच राज्यों में सत्ता बची हुई है मेघालय उनमें से एक है। नगालैंड में नागा पीपुल्स फ्रंट-नेतृत्व वाले डेमक्रेटिक अलायंस की सरकार है। भाजपा ने इसे समर्थन दिया हुआ है। इस तरह यहां राजग की सरकार मानी जाएगी। तो तीनों राज्यों में तीन धाराओं की सरकार है। भाजपा पहली बार तीनों राज्यों को राजग का भाग बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है। उसका सबसे ज्यादा जोर त्रिपुरा में है। त्रिपुरा में हमेशा से मुख्य मुकाबला वामदल और कांग्रेस के बीच रहा है। भाजपा को कांग्रेस में व्याप्त असंतोष और माकपा नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जनरु झान से उम्मीद है। 2016 में कांग्रेस के जिन 6 विधायकों ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का हाथ पकड़ा था, उन्होंने अब भाजपा का दामन थामा है। दूसरी पार्टियों से भी नेता भाजपा में आ रहे हैं। तो देखना होगा कि भाजपा त्रिपुरा में वाम का गढ़ तोड़ पाती है या नहीं। मेघालय में भी कई पार्टियों के नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है। इससे भी उसको उम्मीद है। नगालैंड में तो खैर उसके समर्थन की सरकार है ही। अगर वामदल गढ़ बचाने में कामयाब रहे तो वे मोदी सरकार के खिलाफ गोलबंदी के लिए ज्यादा सक्रिय होंगे। कांग्रेस के सामने मुख्य चुनौती तो किसी तरह मेघालय की सरकार बचाने की है। भाजपा वहां अच्छा प्रदर्शन करती है तो फिर कांग्रेस के अंदर निराशा का भाव पैदा होगा और इसका राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा। चुनाव संसदीय लोकतंत्र के संस्कारों के अनुरूप मर्यादाओं से बंधे हुए हों, नेताओं के बयान सीमाओं से बाहर न जाएं और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से परे राजनीतिक कटुता की स्थिति पैदा न हो।

चलते चलते

''बड़ा बनाने' की घरवालों की जल्दबाजी

बातें या घटनाएं इसलिए अविश्वसनीय लगती हैं क्योंकि वो हमारी कल्पना में नहीं होतीं। पिछले साल गुरु ग्राम (पहले गुड़गांव) के एक निजी स्कूल में प्रद्युम्न की हत्या में जब यह खुलासा हुआ कि यह करतूत उसके सीनियर ने सिर्फ स्कूल में छुट्टी कराने के लिए की थी, तो यह सन्न कर देने वाली घटना थी। इस घटना को अपवाद मान रहे लोगों के लिए लखनऊ में घटी ऐसी ही घटना सिहरन पैदा करती है। यहां भी पहली कक्षा के छात्र रितिक को उसकी सीनियर छात्रा ने चाकू से मारने का प्रयास किया। प्रार्थना के बहाने वाशरूम ले जाकर यह कहते हुए मारने का प्रयास किया कि उसके मरने से स्कूल में छुट्टी हो जाएगी। खैर, मामले की जांच जारी है, लेकिन प्राथमिक तौर पर जो कारण सामने आए हैं वो कई ऐसे सवाल खड़े करते हैं

सीनियर ने सिर्फ स्कूल में छुट्टी कराने के लिए की थी, तो यह सन्न कर देने वाली घटना थी। इस घटना को अपवाद मान रहे लोगों के लिए लखनऊ में घटी ऐसी ही घटना सिहरन पैदा करती है। यहां भी पहली कक्षा के छात्र रितिक को उसकी सीनियर छात्रा ने चाकू से मारने का प्रयास किया। प्रार्थना के बहाने वाशरूम ले जाकर यह कहते हुए मारने का प्रयास किया कि उसके मरने से स्कूल में छुट्टी हो जाएगी।

जिनका सीधा जवाब नहीं मिलता। क्योंकि यह आपराधिक मामला होते हुए भी वैसा नहीं है। यह मामला बिना लाग-लपेट के हमारे आज के परिवेश पर सवाल उठाता है। क्योंकि यह अपराध करने वाले बच्चों पर दोष मढ़कर जवाब से भागने सरीखा होगा। एकल परिवारों का चलन, अभिभावकों द्वारा बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाना, मोबाइल-गैजेट्स के सम्मोहन में जकड़ते बच्चे इत्यादि। ऐसे कई बिंदु हैं, जिन पर समाजशास्त्री चिंता जाहिर करते रहे हैं, लेकिन दोनों घटनाओं में एक बात समान है। हत्या या हत्या का प्रयास स्कूल की छुट्टी करने के मकसद से किया गया। हम दोनों घटनाओं में शामिल बच्चों की पढ़ाई में रु चि को जोड़ सकते हैं। लेकिन कोई इनकार नहीं करेगा की आज बच्चे बस्ते के बोझ से बेइंतहा दबे हुए हैं। वक्त-बेवक्त आने वाली रिपोर्टें इसकी तस्दीक भी करती हैं। स्कूलों और अभिभावकों की आकांक्षाओं के बीच बच्चे बचपन खोते जा रहे हैं। उनको ''बड़ा बनाने' की घरवालों की जल्दबाजी उनसे उनका सब कुछ छीन रही है और इस प्रकार की विकृति को जन्म दे रही है। यह घटना खतरे की घंटी है। अमेरिका के कॉलेजों में छात्रों द्वारा अपने ही साथियों के हथियारों के दम पर नरसंहार की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। इस नाते जितनी जल्दी हम चेतें उतना ही बेहतर होगा।

सत्संग

''खास'

किसी भी कामकाज से दूर होना अच्छी बात है, पर हो सकता है कि आपको यह न पता हो कि आपको उससे अलग कैसे होना है या हो सकता है कि आपके पास ज्यादा काम ही न हो, और इसीलिए आपको ऐसा करने का अधिकार ही न हो। ज्यादातर लोग जब खुद को अलग करना चाहते हैं, तब उन्हें ऐसा करने का हक नहीं होता। उनके जीवन में ऐसा मौका नहीं बनता क्योंकि उन्हें मकान की किश्त अगले पैंतीस सालों तक अदा करनी है। कार का पंद्रह साल का लोन चुकाना है। बीमा की किस्त जमा करनी है, और उन्हें अपने लिए कब्रिस्तान में लिये गए प्लॉट की किश्त भी तो भरनी है। मिनेसोट्टा (अमेरिका) के एक इंसान के साथ ऐसा ही हुआ। उसने अपना सारा पैसा, अपने लिए एक ऐसी आलीशान जगह खरीदने में लगा दिया, जहां उसे मरने के बाद दफनाया जा सके। कब्रिस्तानों में भी ऐसी जगहें होती हैं, जिन्हें ''खास' कहा जाता है। जब वह सत्तर साल का हुआ तो वह समुद्री यात्रा पर निकला। उसका जहाज डूबा और वह उसी पानी में कहीं खो गया। आप कब्रिस्तान में खरीदी गई जगह बेच भी नहीं सकते। लोग कई तरह से उलझे हुए हैं, वे इन सभी बातों से छूट नहीं सकते, इसलिए शायद सिर्फ अपनी गति को थोड़ी धीमी कर लेना ही उनके लिए संभव है। अगर वे स्वयं को हर चीज से अलग कर भी लेते हैं तो उन्हें यह पता नहीं होता कि उन्हें उस दौरान खुद को कैसे मैनेज करना है। धीमी रफ्तार आपके लिए कारगर हो सकती है, पर अगर आपने हमेशा ऐसा किया तो आप अपने जीवन को मसल देंगे। मिसाल के लिए, आपके पास एक कार है। अगर यह माह में एक बार सर्विसिंग के लिए जाती है, तो हम हर चीज को स्विच ऑफ करके पैसे बचा सकते हैं, और जब यह वापस आए तो इसे ऐसा होना चाहिए कि यह नियमित गति से भाग सके। अगर इतना भी न हो पाए, तो ऐसी कार रखने से कोई फायदा ही नहीं होगा। अगर आप जानकर कुछ दिन के लिए अपनी गतिविधियां धीमी कर रहे हैं, तो ठीक है। पर अगर आपको केवल स्लोडाउन करने से ही खुशी मिलती है तो आप अपने जीवन में एक जगह जाकर ठिठक जाएंगे। अगर यह शरीर, मन और जीवन आपको अपनी सीमाओं से पार जाने की इजाजत नहीं देता, तो कई तरह से आपका जीवन बरबाद ही माना जाएगा।

फोटोग्राफी...

शाम की आरती के लिए साधुओं के साथ दीप जलाते श्रद्धालु। (कुंभ)

आपज़िजनक एवं बेहूदा टिप्पणि

मुस्कुराते चहरे को निहारते निहारते उसके माता-पिता की आंखें छलक रही है। 28 साल की पीड़ा अब नेहा के परिवार के लिए दर्द नहीं तपस्या का एहसास है। 28 साल से विस्थापितों का जीवन जीना काफी कठिन रहा है। अपने ही देश और राज्य में जबरदस्ती बेघर किया जाना क्योंकि वे दूसरे धर्म के हैं, ये त्रासदी से कम नहीं है। भारत जैसे लोकतांत्रिक व धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर अपनी जमीन से बेदखल होना संविधान की नींव पर चोट है। धीरे-धीरे जैसे दशक बीतते जा रहे हैं कश्मीरी पंडितों के खिलाफ हुए नरसंहार के साक्ष्य भी मिटते जा रहे हैं और ये समुदाय भी कालचक्र के व्यूह में फंस कर पहचान खो रहा है। 19-20 जनवरी 1990 की रात को कश्मीर का इतिहास बदल गया। कश्मीर जहां महात्मा गांधी ने धर्मनिरपेक्षता की किरण देखी थी, जिहाद के बलि चढ़ गया। कश्मीर में आतंकवाद ''आजादी' के नाम पर नहीं बल्कि धर्म की आड़ में हिन्दुओं पर कहर ढाहा गया। उस रात घाटी से पांच लाख हिन्दुओं का पलायन हुआ। एक षड्यंत्र पाकिस्तान और कश्मीर में उनके खरीदे हुए समर्थकों के बीच हुए। घाटी में अल्पसंख्यक हिन्दुओं को भारत के समर्थक के रूप में देखा जाता रहा है, जिनके कारण 1947 में कश्मीर का विलय पाकिस्तान के साथ नहीं हुआ। धर्म के नाम पर कश्मीर में बहुसंख्यक मुसलमानों को एकजुट किया गया था। कश्मीर को इस्लामिक पहचान दिलाने की योजना के पीछे एक ही उद्देश्य था और वो था कि ''टू नेशन योरी' के तहत इस्लामिक कश्मीर का पाकिस्तान में विलय एकमात्र नेचुरल विकल्प उभर कर आए। इसको अंजाम देने के लिए घाटी में उस रात जो हुआ उसका उदाहरण शायद ही कहीं मिले। साल 1989 से ही कश्मीर में कुछ भी सामान्य नहीं हो रहा है। हिन्दुओं को घाटी छोड़ने के लिए स्थानीय अखबारों में रोज विज्ञापन छप रहे थे। ये सब किसी को नहीं दिख रहा था। और फिर उत्पीडन की इंतहा 19-20 जनवरी 1990 की रात को हुई। रात नौ बजे पूरे श्रीनगर शहर में ही नहीं पूरी घाटी में मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर जोर-जोर से बजने लगे। ''कश्मीर में क्या चलेगा, निजामे मुस्फा; काफिरो भाग जाओ या मरो; हमें कश्मीर चाहिए, पंडित महिलाओं के साथ न कि हिन्दू मदरे के साथ' जैसे नारे घाटी में गूंज रहे थे। सड़कों पर हजारों-लाखों की भीड़ जमा हो गई। हिन्दू घरों पर पत्थरों से हमला किया गया।

अल्पसंख्यकों के लिए पूरी घाटी टॉर्चर चेम्बर जैसी बन गई। दशकों से साथ रहने वाले मुस्लिम पड़ोसियों ने मुंह मोड़ लिया था। पूरी रात सड़कों पर हिंसा हुई। और भोर होते ही कश्मीरी हिन्दुओं का घाटी से पलायन शरू हुआ। लाखों की तादात में लोग टेंटो में रहने के लिए मजबूर हो गए। ऐसे ही एक टेंट में नेहा पंडित का परिवार रहा। सोपोर में अपना घर, बाग-बगीचे छोड़कर शरणार्थियों की जिंदगी जीने पर मजबूर इस परिवार ने अपना गुजारा बड़ी मुश्किल से किया। नेहा के माता-पिता ने बस एक लक्ष्य नहीं छोड़ा और वो था बच्चों की पढ़ाई-लिखाई। पिछले 28 साल से विस्थापित कश्मीरी हिन्दुओं को आज भी न्याय का इंतजार है। लगभग 300 हत्या के केस में आज तक न तो कोई चार्जशीट दायर हुई है और ना ही कोई पकड़ा गया है। दुखद यह भी कि इस समुदाय की बात कोई राजनीतिक पार्टी या सोशल एक्टिविस्ट नहीं करता। हर साल 19-20 जनवरी को विस्थापित कश्मीरी हिन्दू ''पलायन दिवस' के रूप में अपनी इस त्रासदी पर आंसू बहाता है, उस टूटे सपने पर जो महात्मा गांधी ने कश्मीर में देखा था।

प्रो कुश्ती लीगः हरियाणा हैमर्स ने एमपी योद्धा को रोमांचक मैच में 4-3 से हराया

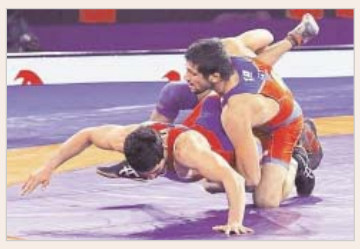

लुधियाना। पिछले साल विश्व अंडर-23 चैम्पियनशिप के रजत पदकधारी रवि कुमार ने शनिवार को यहां प्रो कुश्ती लीग मैच के पुरूष 57 किग्रा वर्ग में संदीप तोमर को हराकर हरियाणा हैमर्स को एमपी योद्धा पर 4-3 से जीत दिलाई । यह इस साल की पीडब्ल्यूएल में हरियाणा हैमर्स की दूसरी जीत है। जूनियर विश्व चैम्पियन अनास्तासिया निचिता ने हरियाणा के लिये अहम बाउट जीती, उन्होंने पूजा ढांडा को 8-7 से शिकस्त दी। इससे पहले 2018 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदकधारी अली शाबानोव ने 86 किग्रा में एमपी योद्धा के दीपक को हराकर हरियाणा हैमर्स को 1-0 से आगे कर दिया। एमपी योद्धा की कोलंबियाई पहलवान आंद्रिया ओलाया ने फिर महिला 76 किग्रा बाउट में किरण को 6-3 से पराजित किया। दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर आ गई। हाजी अलियेव ने 65 किग्रा में रजनीश को 5-2 से पराजित कर एमपी योद्धा को आगे कर दिया। इसके बाद महिला 62 किग्रा वर्ग में हरियाणा की तातयाना ओमेलचेंको ने योद्धा की एलिसे मोनोलोवा को 6-5 से पराजित किया। अब दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं। एमपी योद्धा के वासिल मिखेलोव ने पुरूष 74 किग्रा वर्ग में हरियाणा के प्रवीण राणा को 7-6 से मात दी।

कर्बर बनी उलटफेर का शिकार, बार्टी ने शारापोवा को किया बाहर

मेलबर्न। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी एंजेलिक कर्बर रविवार को यहां पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल रही खिलाड़ी से हारकर बाहर हो गयी जबकि एशलीग बार्टी ने मारिया शारापोवा को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मारग्रेट कोर्ट पर बेहद गर्मी के बीच जर्मनी की विंबलडन चैंपियन कर्बर को अमेरिका की डेनिली कोलिन्स ने एक घंटे से भी कम समय में 6-0, 6-2 से करारी शिकस्त दी। विश्व में 35वें नंबर की कोलिन्स ने अपने अधिकतर मैच अमेरिकी कालेज व्यवस्था में खेले हैं और वह पहली बार मेलबर्न पार्क में खेलने के लिये उतरी है।

इस साल से पहले उन्होंने कभी ग्रैंडस्लैम मैच नहीं जीता था। कोलिन्स अंतिम आठ में पांचवीं वरीयता प्राप्त सलोनी स्टीफन्स या रूस की एनेस्तेसिया पावलिचेनकोवा से भिड़ेगी। बार्टी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने शारापोवा को 4-6, 6-1, 6-4 से हराकर इस रूसी खिलाड़ी का 2014 फ्रेंच ओपन के बाद पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आस्ट्रेलिया की यह 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अब चेक गणराज्य की आठवीं वरीय पेत्रा क्वितोवा से भिड़ेगी जिन्होंने अमेरिका की 17 वर्षीय अमांडा अनिसीमोवा को 6-2, 6-1 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के फ्रांसिस टिफोउ ने बुल्गारिया के 20वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव को चार सेट के कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (8/6), 6-7 (1/7), 7-5 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा ने झारखंड को हराकर हाकी अंडर-21 लड़कियों का खिताब जीता

पुणे। हरियाणा ने रविवार को यहां झारखंड को 3-0 से हराकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स की हाकी प्रतियोगिता में अंडर-21 लड़कियों का खिताब जीता। इससे पहले पंजाब ने ओडिशा को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। हरियाणा ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। उसकी तरफ से महिमा चौधरी, अमनदीप कौर और अमरिंदर कौर ने गोल किये। कांस्य पदक के लिये खेले गये मैच में पंजाब ने काजल के दो गोल की मदद से जीत दर्ज की। ओडिशा की तरफ से एकमात्र गोल रोजिता कुजुरू ने किया।

विजेंदर के बाद विकास की धमक, पेशेवर मुक्केबाजी में पहली बाउट जीते

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण ने पेशेवर सर्किट में जीत से शुरूआत की और न्यूयार्क में अमेरिका के स्टीव एंद्रादे को तकनीकी नाकआउट से पराजित किया। एंद्रादे का अनुभव छह मुकाबलों का है जिसमें उनका रिकार्ड 3-3 का है। यह उनका लगातार चौथी हार थी और इससे पिछली हार उन्हें नवंबर 2017 में मिली थी। विकास ने महान बॉब अरूम के टॉप रैंक प्रोमोशंस से करार किया है। उन्होंने छह दौर के सुपर वेल्टरवेट मुकाबले में पदार्पण किया। न्यूयार्क में स्टोन रिजार्ट कैसिनो में हालांकि यह बाउट शुक्रवार रात तक केवल दो राउंड तक ही चली। विकास ने बाउट के बाद ट्वीट किया, ''मैंने अपनी पदार्पण बाउट जीत ली। आप सभी के समर्थन का शुक्रगुजार हूं।

जर्मन लीग : लीप्जिग को मात देकर टॉप पर बरकरार डॉर्टमंड

बर्लिन। बोरुशिया डॉर्टमंड ने शनिवार रात यहां जर्मन लीग के 18वें दौर के मैच में आर.बी लीप्जिग को 1-0 से हराकर तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। इस अहम जीत के बाद तालिका में पहले पायदान पर मौजूद डॉर्टमंड के 45 अंक हो गए हैं जबकि लीप्जिग 31 अंकों के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। दूसरे पायदान पर काबिज बायर्न म्यूनिख के 39 अंक हैं। समाचार एजेंसी एफे के अनुसार, इस मैच में डॉर्टमंड के कप्तान मार्को रोइस चोटिल होने के कारण नहीं खेले और स्ट्राइकर पाको अल्कासेर भी मैच के अंतिम कुछ मिनटों के लिए ही मैदान पर नजर आएं। डॉर्टमंड ने हालांकि, मेहमान टीम के मैदान पर दमदार शुरुआत की और 19वें मिनट में ही बढ़त बना ली। बेल्जियम के मिडफील्डर एलेक्स विट्सल ने 18 गज के बॉक्स के अंदर से दाएं पैर से दमदार गोल दागा। दूसरे हाफ में 48वें मिनट में मेजबान टीम को बराबरी का गोल करने को एक मौका मिला लेकिन मार्सेन सेबिट्जर गेंद को गोल में नहीं डाल पाए।

भारत के अलावा इंग्लैंड भी है 2019 के वर्ल्ड कप का प्रबल दावेदारः शास्त्री

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे का सुखद अंत किया। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोई सीरीज नहीं हारी। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सीरीज 1-1 से बराबर रही। टेस्ट सीरीज में भारत ने 2-1 से बाजी मारी और फिर वनडे सीरीज भी विराट ब्रिगेड ने 2-1 से अपने नाम की। भारतीय टीम का ऑवरऑल प्रदर्शन शानदार रहा। ऐसे में टीम इंडिया के हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि तीन से चार ऐसी टीमें हैं, जो 2019 विश्व कप खिताब की प्रबल दावेदार हैं। कोच शास्त्री ने भारतीय टीम के अलावा इंग्लैंड की टीम को भी विश्व कप खिताब जीतने का प्रबल दावेदार बताया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के साथ एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में शास्त्री ने कहा, तीन से चार टीमें हैं, जो विश्व कप चैंपियन बन सकती हैं। मगर यह निर्भर करता है कि आप टूर्नामेंट की शुरुआत कैसे करते हैं। अगर हमने शुरुआत में लय हासिल की तो टीम इंडिया बहुत ही खतरनाक है क्योंकि हमें दर्शकों का भारी समर्थन प्राप्त है और चीजें भी हमारे पक्ष में हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जो किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ सकती है और ऐसा कोई मिनट नहीं जब मैं कुछ उल्टा विचार करूं। हमारे खिलाड़ी भी ऐसा सोचते हैं, लेकिन यह देखना जरूरी है कि वह दबाव को कैसे झेलते हैं। शांत रहकर वह अपनी योजनाओं का क्रियानवयन कर सकते हैं। शास्त्री से जब ये पुछा गया कि क्या इंग्लैंड विश्व चैंपियन बन सकता है तो शास्त्री ने कुछ यूं जवाब दिया, जी हां बिलकुल। मैंने अब तक जो इंग्लैंड की टीमें देखीं हैं, उनमें से यह सर्वश्रेष्ठ है। वह उन खिलाड़ियों पर ध्यान दे रही है, जो इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ हैं। वह मौके पर प्रदर्शन करके विरोधी टीम को चित करने का दम रखती है। आपके पास संतुलन हैं। हमने पिछले साल इंग्लैंड के दौरे पर ध्यान दिया और जाना कि उनकी बल्लेबाजी में गहराई है। कई खिलाड़ी दोहरी प्रतिभा के धनी हैं। इंग्लैंड के पास ऐसे पांच से छह खिलाड़ी हैं, जिनके हाथों में आप किसी भी समय गेंद थमा सकते हैं। यही एक टीम के रूप में आपकी जरूरत होती है।

आस्ट्रेलियन ओपन : नडाल ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

मेलबर्न ।

वर्ल्ड नंबर-2 स्पेन के राफेल नडाल ने रविवार को यहां दमदार प्रदर्शन करते हुए साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। नडाल ने चौथे दौर में चेक गणराज्य के थॉमस बर्डिख को सीधे सेटों में 6-0, 6-1, 7-6 (7-4) से शिकस्त दी। उन्होंने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। रॉड लेवर एरेना में खेला गया यह मुकाबला केवल दो घंटे और पांच मिनट तक ही चला। 17 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने अपनी ताकत और तेजी का सही उपयोग करते हुए बेहतरीन शुरुआत की और विपक्षी खिलाड़ी को पहले सेट में एक भी गेम जीतने का मौका नहीं दिया। दूसरे सेट में भी नडाल ने अपने खेल के स्तर में कमी नहीं आने दी। बर्डिख दूसरे सेट में केवल एक अंक ही हासिल कर पाए। हालांकि, तीसरे सेट में दर्शकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। बर्डिख ने स्पेनिश दिग्गज को परेशानी में डाला और तीसरे सेट को टाई-ब्रेकर तक ले गए लेकिन अंतिम क्षणों में उन्होंने गलतियां की जिसके कारण नडाल 7-4 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे।

सुधा और रावत ने विश्व चैंपयनशिप का क्वालीफाईंग मार्क हासिल किया

मुंबई।

एशियाई खेलों की पदक विजेता सुधा सिंह ने महिलाओं और नीतेंद्र सिंह रावत ने पुरूषों के वर्ग में रविवार को यहां टाटा मुंबई मैराथन में भारतीयों में पहला स्थान हासिल करके दोहा में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाईंग मार्क को भी हासिल किया। महिला वर्ग में सुधा सिंह भारतीयों में शीर्ष पर रही। उन्होंने दो घंटे, 34 मिनट और 56 सेकेंड का समय लिया जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। यह आईएएएफ के सितंबर अक्टूबर में होने वाली दोहा विश्व चैंपियनशिप के दो घंटे, 37 मिनट मे क्वालीफाईंग मार्क से भी कम है। एशियाई खेल 2010 और 2018 में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीतने वाली यह 3000 मीटर स्टीपलचेज की एथलीट ओवरआल आठवें स्थान पर रही। उनका इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2:35:35 था जो उन्होंने 2015 में बीजिंग विश्व चैंपियनशिप में बनाया था। तब वह 19वें स्थान पर रही थी। ज्योति घाटे (2:45:48) भारतीय महिलाओं में दूसरे और जिगमेट गोल्मा (3:10:42) तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में रावत ने दो घंटे 15 मिनट 52 सेकेंड का समय निकालकर भारतीयों में पहला स्थान हासिल किया। वह विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाईंग मार्क दो घंटे 16 मिनट से कम समय निकालने में भी सफल रहे। पिछले साल भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहे गोपी ठोकनाल को ऐंठन के कारण नुकसान हुआ और वह दो घंटे 17 मिनट तीन सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे। करण सिंह को तीसरा स्थान मिला।

बुमराह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ यार्कर फेंकने वाले गेंदबाजः अकरम

नयी दिल्ली।

बांये हाथ के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार वसीम अकरम ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि मौजूदा क्रिकेटरों में उनका यार्कर सबसे सटीक है। अकरम अपने समय में सटीक यार्कर फेंकने के लिए जाने जाते थे। ऑस्ट्रेलिया में भारत टीम ने पहली बार टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की जिसमें बुमराह ने अहम भूमिका निभायी थी। अकरम ने कहा, ''मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल रहे क्रिकेटरों में जसप्रीत बुमराह का यार्कर सबसे सटीक और सर्वश्रेष्ठ है।'' स्विंग के सुल्तान के नाम से पहचाने जाने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि एकदिवसीय विश्व कप के दौरान अंतिम ओवरों वह अंतर पैदा करेंगे। अकरम ने कहा, ''बुमराह का गेंदबाजी एक्शन शानदार है। दूसरे तेज गेंदबाजों से बिल्कुल अलग एक्शन होने के बाद भी वह गेंद को स्विंग करते हैं और पिच पर टप्पा खाने के बाद उनकी गेंद काफी तेजी से निकलती है।'' यूएई में होने वाले आगामी 10पीएल टेनिस बॉल टूर्नामेंट के ब्रांड दूत के तौर पर यहां पहुंचे अकरम ने कहा, '' जो चीज बुमराह को खास बनाती है, वह है नियमित यार्कर फेंकने की उनकी काबिलियत। यार्कर का इस्तेमाल सिर्फ एकदिवसीय में नहीं होता, टेस्ट में भी होता है। मैंने और वकार (यूनस) ने अपने समय में टेस्ट में इसका काफी इस्तेमाल किया।'' उन्होंने भारत को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली पहली एशियाई टीम होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह बड़ी उपलब्धि है।।अकरम ने कहा, '' ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं इस बात को नहीं मानूंगा की ऑस्ट्रेलिया की टीम कमजोर थी। विराट (कोहली) और उनके खिलाड़ियों से उनका श्रेय वापस मत लिजिए। उन्होंने प्रदर्शन में जो निरंतरता दिखायी है वह काबिलेतारीफ है।''

विराट कोहली वनडे में सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : माइकल क्लार्क

नयी दिल्ली।

विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से खेल के हर प्रारूप में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि भारतीय कप्तान ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाला सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है।'' कोहली अभी टेस्ट और वनडे में विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं। उनकी अगुवाई में भारत ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट और वनडे श्रृंखलाएं जीतकर इतिहास रचा। इससे पहले भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला बराबर करायी थी। इस तरह से भारत पहली ऐसी टीम बन गया है जिसने आस्ट्रेलिया में श्रृंखला नहीं गंवायी और इस बीच कोहली ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। आस्ट्रेलिया के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान क्लार्क ने कहा, ''मेरा मानना है कि विराट एकदिवसीय क्रिकेट में खेलने वाला सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। भारत के लिये उन्होंने जो कुछ हासिल किया उसको देखने के बाद मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।'' कोहली ने अब तक 219 वनडे में 10,385 रन बनाये हैं जिसमें 39 शतक शामिल हैं। उनका औसत 59 से भी अधिक है। कोहली के प्रशंसक क्लार्क ने कहा कि इस 30 वर्षीय क्रिकेटर के जुनून का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, ''आपको अपने देश के लिये जीत दर्ज करने के विराट के जुनून का सम्मान करना होगा। हां उसमें आक्रामकता है लेकिन कोई भी उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं उठा सकता। वह वनडे में सर्वश्रेष्ठ है।'' कोहली जहां लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं वहीं उनके पूर्ववर्ती कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की वर्तमान फार्म को लेकर क्रिकेट जगत की राय भिन्न है। धोनी अब वनडे में पहले की तरह आक्रामक शैली से नहीं खेलते हैं लेकिन क्लार्क का मानना है कि इस 37 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान को अपना खेल खेलने के लिये अकेला छोड़ देना चाहिए। क्लार्क ने कहा, ''धोनी जानता है कि किसी परिस्थिति में किस तरह से खेलना है। उन्होंने 300 से अधिक वनडे खेले हैं, इसलिए वह जानते हैं कि अपनी भूमिका कैसे निभानी है।''

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज - आनंद और विदित नें खेला ड्रॉ, अनीश गिरि, और कार्लसन की दूसरी जीत

(एजेंसी)।

विज्क आन जी, नीदरलैंड (निकलेश जैन) में चल रहे साल के सबसे प्रतिष्ठित सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट में से एक टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज में एक दिन के विश्राम के बाद हुए राउंड 6 के 7 मुकाबलों में 3 मैच में परिणाम आए तो चार मैच अनिर्णीत रहे । भारत के दोनों खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद और विदित गुजराती नें अपने अपने मुक़ाबले ड्रॉ खेले और अभी भी सयुंक्त दूसरे स्थान पर बने हुए है । आनंद ने रूस के इयान नेपोनियची से ड्रॉ खेला तो विदित गुजराती नें सेमूयल शंकलंद से ड्रॉ खेला । जबकि आज मेजबान नीदरलैंड के अनीश गिरि नें प्रतियोगिता में दूसरी जीत दर्ज की सयुंक्त बढ़त हासिल कर ली उन्होने पोलैंड के जान डूड़ा को पराजित किया । मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें अजरबैजान ममेद्यारोव को पराजित किया तो अब तक लगातार हार का सामना कर रहे मेजबान देश के वांन फॉरेस्ट जॉर्डन नें रूस के व्लादिमीर फेडोसीव को पराजित कर दिया । छह राउंड के बाद 4 अंको के साथ मेगनस कार्लसन ,अनीश गिरि ,नेपोनियची और चीन के डींग लीरेंन सबसे आगे चल रहे है जबकि 3.5 अंको पर आनंद और विदित सयुंक्त दूसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : बिना आई-कार्ड पहुंचे रोजर फैडरर को गार्ड ने रोका

मेलबर्न । टेनिस के सर्वकालिक महान खिलाडियों में से एक रोजर फेडरर को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब ऑस्ट्रेलियाई ओपन का एक्रीडिटेशन कार्ड (मान्यता पत्र) नहीं होने के कारण सुरक्षाकर्मी ने उन्हें रोक दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब छह बार जीतने वाले फेडरर ने भी हालांकि सुरक्षाकर्मी का सम्मान किया और वहीं रूक गए। इसके थोड़े समय बाद ही फेडरर के कोचिंग दल का एक सदस्य उनके कार्ड के साथ पहुंचा जिसके बाद ही फेडरर को अंदर जाने की अनुमति मिली। सुरक्षाकर्मी का फेडरर को रोकने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी प्रचलित हो रहा जिसमें लोग सुरक्षाकर्मी और फेडरर दोनों के बर्ताव की तारीफ कर रहे हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स : टॉप पर रहा महाराष्ट्र, जीते 228 पदक

पुणे । मेजबान महाराष्ट्र 228 पदकों के साथ पुणे में रविवार को सम्पन्न हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2019 की पदक तालिका में टॉप पर रहा। हरियाणा को दूसरा और दिल्ली को तीसरा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने कुल सबसे अधिक 85 स्वर्ण, 62 रजत और 81 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने कुल 178 पदक मिले। उसके खाते में 62 स्वर्ण, 56 रजत और 60 कांस्य आए। दिल्ली ने 136 पदक जीते, जिनमें 48 स्वर्ण, 37 रजत और 51 कांस्य शामिल हैं। कर्नाटक को 77 पदक मिले। उसने 30 स्वर्ण, 28 रजत और 19 कांस्य जीते। इसी तरह तमिलनाडु को कुल 87 पदक मिले। उसके खाते में 27 स्वर्ण, 35 रजत तथा 25 कांस्य आए। उत्तर प्रदेश ने 23 स्वर्ण, 25 रजत और 40 कांस्य पदकों के साथ कुल 88 पदक जीते। इसके बाद पंजाब (72), गुजरात (39), पश्चिम बंगाल (44) तथा केरल (58) का स्थान है। भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित इन खेलों में 29 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों के 6000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान ?

सूरत। सूरत महानगर पालिका द्वारा बडे पैमाने पर चलाया जा रहा सफाई अभियान लेकिन कोहली खाड़ी उधना जोन आफिस के बाजु में बहने वाली खाड़ी में पड़ी गंदगी भी नजर नहीं आ रही है। इस तरह का नजारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आम है लेकिन सूरत महानगर पालिका सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, फिर भी शहर साफ होने का नाम नही ले रहा इसका जिम्मेदार कौन ? ऐसा भी नहीं है कि महानगर पालिका द्वारा कुछ नहीं किया जा रहा लेकिन इतने बड़े शहर को साफ रखने के लिए ये सब बंदोबस्त ना काफी पड़ रहे है।

पुणा गाम में गैस सिलेंडर विस्फोट में चार लोग गंभीर घायल

गंभीर हालत में चार लोग होस्पिटल में दाखिल

सूरत। पुणा गाम में नारायण नगर में जोरदार धमाके के साथ लोग घर से बाहर दौड़ कर आए। सुबह-सुबह इस दुर्घटना में 1 किशोर, 2 महिला सहित 4 लोग गंभीरत रुप से घायल हो गए। घटना के बाद 108 और फायर विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंच गई फायर विभाग के कर्मीयों द्वारा बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया। जिसके बाद पुणा और लिंबायत की 108 में चारों लोगो को तात्कालिक उपचार के लिए होस्पिटल में दाखिल कराया गया। जहा चारो लोगों को की हालत को गंभीरत बताया गया है। निलेश सुक्ला ने बताया कि ये लोग महाराष्ट्र के मुल निवासी है और सूरत में मजदुरी का काम्म कर गुजरबसर कर रहे है। कुछ दिनों पहले बहन सुजाता और इसका पुत्र दिनेश घुमने के लिए सूरत आए ते। इसकों भी इस दुर्घटना में चोट लगी है। सुबह गैस पर पानी गर्म कर रहे थे उसी समय अचानक जोरदार बलास्ट हुआ जिसके बाद पुरा परिवार घर से बाहर आ गए। बलास्ट की आवाज सुन कर पुरी सोसायटी के लोग घरो से बाहर आ गए। फायर विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुणागाम कालीपुल नजदीक लक्ष्मीनारायण नगर में प्लोट नं. 42 में गैस का बाटला लीकेज होने से लगी आग में 4 लोग गंभीरत रुप से घायल हो गए। इन सभी का होस्पिटल में उपचार हो रहा है।

अठवालाईन से कार का दरवाजा खोल लेपटोप, मोबाईल की चोरी

सूरत। अठवालाईन माईस्टोन बिल्डिंग गेट के सामने पार्क कार का दरवाजा खोल कर 45 हाजर रुपए का लेपटोप, ऐपल कंपनी का 10 हाजर रुपये का मोबाईल फोन और 3 हजार कीमत की बेटरी चार्जर चोरी कर चोर फरार हो गए। जिसके बाद कार मालिक द्वारा इस घटना की जानकारी उमरा पुलिस स्टेशन में दी गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मूल महाराष्ट्र पालगर के वतनी और हाल में वेसू स्वप्नसिंगनी अेपार्टमेंट में रहने वाले दीपक जगन्नाथ भाई अपनी कार अठवा लाइन माईस्टोन बिल्डिंग के सामने पार्क करी हुई थी जिसकी डुप्लीकेट चाकी से दरवाजा खोल कर चोर लेपटोप, बेटरी चार्जर, ऐपल कंपनी का फोन कुल 58 हाजार रुपये कीमत का मुद्दा माल लेकर फरार हो गए। उमरा पुलिस फरियाद दाखील कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

बुजुर्ग ट्रेन से निचे गिरा

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय 75 वर्षीय बुजुर्ग निचे गिर गया। जिससे उसे चोट आने से उपचार के लिए 108 सेवा द्वारा नई सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया।

सूत्रों से मिली अनुसार 75 वर्षीय जगदीश भ्रमण आज सुबह 11 बजे के करीब किसी ट्रेन से सूरत रेलवे स्टेशन पर उतर रहे थे। तभी अचानक नीचे गिरने से बेहोश हो गए। उन्हें बेसुध अवस्था में उपचार के लिए तत्काल 108 ए ब्युलेंस की सहायता से नई सिविल में भर्ती किया गया। वहां उनका इलाज जारी है।

भरूच की युवती ने साबरमती नदी में मौत की छलांग लगाई

अहमदाबाद। भरूच की युवती ने रविवार को अहमदाबाद शहर में साबरमती नदी में मौत की छलांग लगाकर आत्महत्या कर लेने से भारी सनसनी मच गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में युवती की अभी तीन दिन पहले ही तलाक हुआ था इसी वजह से दुखी होने की वजह से आत्महत्या की हो ऐसी बात सामने आई थी। हालांकि रिवरफ्रन्ट पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसारस भरूच जिले की बलोटा गांव की युवती ने जन्म दिवस पर ही अहमदाबाद शहर के खानपुर वोक वे से साबरमती नदी में कूद कर आत्महत्या कर लेने से शहर सहित युवती के क्षेत्र में सनसनी मच गई।

मृतक की भरूच जिले की युवती बलोटा गांव की निवासी पारूलबहन हसमुखभाई पटेल (उम्र.२२) होने का सामने आया और उसने अपने अपने जन्म दिवस पर ही नदी में मौत की छलांग लगाकर आत्महत्या कर लेने से भारी सनसनी मच गई। इस युवती की अभी तीन दिन पहले ही यानी कि १७ जनवरी को तलाक होने की जानकारी मिली।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के अंतिम दिन केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी पहुंची।

टेक्सटाइल क्षेत्र में गुजरात पुनः भारत के मैनचेस्टर के रूप में नाम हासिल करेगा: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2019 के तीसरे दिन महात्मा मंदिर में टेक्सटाइल कॉन्क्लेव के अंतर्गत आयोजित एक्सप्लोरिंग ग्रोथ पोटेंशियल इन टेक्सटाइल फॉर बिल्डिंग न्यू इंडिया विषयक सेमिनार में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि टेक्सटाइल क्षेत्र रोजगार प्रदान करने में हमेशा से अग्रसर रहा है। टेक्सटाइल उद्योग के साथ गुजरात बरसों से कार्यरत है। गुजरात टेक्सटाइल का हब है। टेक्सटाइल क्षेत्र में एपरल इंडस्ट्रीज में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार उपलब्ध हों, इसके लिए राज्य सरकार ने समग्र देश में प्रथम टेक्सटाइल पॉलिसी बनाकर अन्य राज्यों के लिए उदाहरण पेश किया है। टेक्सटाइल क्षेत्र को प्रोत्साहन मिल इसके लिए टेक्सटाइल यूनिट शुरू करने के लिए ऋण पर राज्य सरकार द्वारा 6 प्रतिशत तक की ब्याज सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया है।

पावरलुम यूनिटों को राहत प्रदान करने के लिए वीविंग के लिए 3 और अन्य प्रोसेस के लिए 2 रुपए की छूट प्रति बिजली यूनिट दिए जाने की घोषणा करते हुए रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार विवाद नहीं बल्कि संवाद का अभिगम रखती है। टेक्सटाइल उद्योगों के अग्रणियों के साथ विचार-विमर्श के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया गया है। 1861 में गुजरात में सर्वप्रथम शुरू हुई टेक्सटाइल मिल के बाद उसमें क्रमशः वृद्धि होती गई है। समय के साथ आधुनिकता अपनाकर टेक्सटाइल क्षेत्र में गुजरात ने पहचान खड़ी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कपास के उत्पादन से तैयार कपड़ों के निर्यात तक अर्थात कि फॉर्म टू फॉरेन का विचार मूर्तिमंत कर गुजरात सही अर्थों में मेक इन इंडिया की परिकल्पना को साकार करेगा। गारमेंट-टेक्सटाइल क्षेत्र में गुजरात पुनः भारत के मैनचेस्टर के रूप में नाम हासिल करेगा। यह दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए

उन्होंने कहा कि भूकंप जैसी आपदाओं के कारण तबाह हुए गुजरात की वैश्विक पहचान को पुनःस्थापित करने में 2003 से प्रारंभ वाइब्रेंट गुजरात समिट का बड़ा योगदान रहा है। वाइब्रेंट समिट का सिर्फ विरोध के लिए विरोध करने वाले लोगों को यह पता ही नहीं चलता कि वास्तव में 2003 से प्रारंभ गुजरात के ग्रोथ इंजन में वाइब्रेंट का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट समिट के कारण ही अब विदेशी गुजरात में निवेश करने के लिए उत्सुक बने हैं। गुजरात ने अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखा है। महिलाओं को रोजगार प्रदान करने में टेक्सटाइल-एपरल इंडस्ट्रीज अग्रसर होने के कारण टेक्सटाइल पॉलिसी के अंतर्गत महिलाओं को रोजगार देने वाली इकाईयों में से महिला को 4000 रुपए और पुरुषों को 3200 रुपए वेतन में ज्यादा चुकाने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है और यह पहल देशभर की पहली पहल है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री विभावरीबेन दवे ने कहा कि अहमदाबाद या सूरत ही नहीं बल्कि पूरा गुजरात टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज का हब बनेगा ऐसी आशा है।

गुजरात-भारत में उपलब्ध मौके का विचार विमर्श

ऊर्जा मंत्री की उपस्थिति में १ लाख करोड़ का एमओयू

गांधीनगर। वाइब्रेंट ग्लोबल समिट-२०१९ के तहत आयोजित किए गए गुजरात और भारत में फिर से उपलब्ध ऊर्जा उत्पादन के मौके सेमिनार में राज्य के ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल तथा राजस्व मंत्री कौशिक पटेल की प्रेरक उपस्थिति में राज्य सरकार के विभिन्न ऊर्जा निगम तथा डेवलपर्स के बीच १ लाख करोड़ रुपये के निवेश से सौर हवा और फिर से उपलब्ध ऊर्जा उत्पादन के प्रॉजेक्ट्स तथा डिस्ट्रीब्युशन नेटवर्क की स्थापना के करार किए गए। मंत्री सौरभ पटेल ने गुजरात सरकार ने रीन्युएबल एनर्जी के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन के किए गए आयोजन की विस्तृत जानकारी देने के साथ बताया कि, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के नेतृत्व के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गैर परंपरागत ऊर्जा के उत्पादन में आगे रहने की कल्पना को साकार करने की तरफ गुजरात आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा प्लान्ट्स को प्रोत्साहन देने की जानकारी देते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि, ६६ केबी सबस्टेशन करीब सरकारी जमीनों का सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग किया जाएगा तथा पसंद किए गए ५० सबस्टेशन के आसपास की जमीनों में सौर ऊर्जा के प्लान्ट द्वारा तीन हजार मेगा वोट ऊर्जा का निर्माण किया जाएगा। स्मोल स्केल डिस्ट्रीब्युटर्स सौर प्रॉजेक्ट देशभर में गुजरात का नया कदम है। कोई व्यक्ति, पीढी, सहकारी समिति आधा मेगा वोट से चार मेगा वोट सौर ऊर्जा निर्माण करे तो इसे खरीदने के लिए सरकार २५ वर्ष का करार करेगी। इसके अलावा अपनी जमीन में सौर ऊर्जा उत्पादन किया जाए तो, पिछले नीविदा की कीमत अनुसार बिजली खरीदी जाएगी। उन्होंने यह प्रॉजेक्ट साकार करने में राज्य सरकार के राजस्व विभाग के सहयोगी दृष्टिकोण की प्रशंसा की गई थी। हाईब्रिड पार्क के मौके के मामले में जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि सौर और हाईब्रिड पार्क के आवंटन कराई जाती जमीन अपने आप गैर खेती की जमीन मानी जाएगी यह राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस पार्क में कम से कम एक हजार मेगा वोट का उत्पादन हो सकेगा इतनी जमीन आवंटन कराई जाएगी।

लाखों किसानों के पास बिजली कनेक्शन नहीं : मनीष दोशी

अहमदाबाद। वाइब्रेंट उत्सव में विशेष मेहमानों के लिए १३,००० रुपये, ७००० रुपये, ३००० रुपये की खाने की डीश दूसरी तरफ राज्य के भविष्य समान आंगनवाड़ी और मध्याहन भोजन के बच्चों को ४.५८ रुपये और ६ रुपये मामूली रकम का भोजन दिए जाते होने की गतिशील, प्रगतिशील और वाइब्रेंट गुजरात की असली वास्तविकता उजागर होने से गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मुख्य प्रवक्ता मनीष दोशी ने बताया कि, गुजरात की भाजपा सरकार अरबों रुपये के निवेश और करोड़ों रोजगार के आंकड़े के दावे के बीच वाइब्रेंट भाजपा सरकार की स्वप्रसिद्धि और सरकारी संसाधन -प्राकृतिक संसाधन लूटाने की योजना चलती हो यह सिद्ध हो रहा है। वाइब्रेंट गुजरात में सरकारी चोपडे में ३१,४६,४१३ गरीबी रेखा के नीचे जी रहे गरीब परिवार है। यानी कि १,५७,३२,४६६ नागरिक राज्य के गरीबी रेखा के नीचे कई परेशानी के साथ जीवन गुजार रहे है। राज्य में चार लाख से ज्यादा किसान बिजली कनेक्शन के लिए इंतजार कर रहे हैं। एक तरफ वाइब्रेंट उत्सव में विशेष मेहमानों के लिए गाला डीनर में १३,००० रुपये की प्रति व्यक्ति भोजन दी जाए, विशेष मेहमानों के लिए विशेष उत्सव में प्रति व्यक्ति ७००० रुपये एक डीश के चुकाये जाए, नास्ता के लिए प्रति व्यक्ति ७०० रुपये और १२०० रुपये चुकाया जाता है। जबकि दूसरी तरफ राज्य में १,१०,९०९ कुपोषित बच्चों को पौष्टिक भोजन के लिए संघर्ष करना पडता है, यह है गुजरात की असली वास्तविकता! पिछले १५ वर्ष से विभिन्न उत्सव के पीछे ५००० करोड़ रुपये की भारी रकम सरकारी तिजोरी से खुद प्रसिद्धि के लिए खर्च करनेवाले भाजपा सरकार -मोदी सरकार ने गुजरात में असमानता की बड़ी खाई पैदा किए जाने का पर्दाफाश करते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने बताया कि, गुजरात के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कार्य करते शिक्षकों को सहायक प्रथा के नाम पर आर्थिक शोषण हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)